साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 177 | जौनपुर, शनिवार, 23 मार्च 2024 | साान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

ओटीटी नियमों, डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड के खिलाफ याचिकाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित आईटी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार द्वारा स्थानांतरित एक स्थानांतरण याचिका पर आदेश पारित किया, जिसमें शीर्ष अदालत से दिल्ली, बॉम्बे, कलकत्ता, कर्नाटक, केरल सहित विभिन्न उच्च न्यायालयों द्वारा भिन्न राय से बचने के लिए सभी याचिकाओं को एक उच्च न्यायालय में समेकित करने का अनुरोध किया गया था। उड़ीसा और मद्रास उच्च न्यायालय। न्यायमूर्ति पीके मिश्रा की पीठ ने कहा कि विरोधाभासी निर्णयों से बचने के लिए, भारत संघ सभी मामलों को समान सुनवाई के लिए समेकित करना चाहेगा।

चूंकि इनमें से बड़ी संख्या में मामले दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन हैं, इसलिए हम विभिन्न उच्च न्यायालयों में मामलों को दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करना उचित समझते हैं। केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील रजत नायर ने अदालत को बताया कि वर्तमान में, दिल्ली उच्च न्यायालय 2021 नियमों को चुनौती पर पांच मामलों की सुनवाई कर रहा है और वकीलों के लिए इसके समक्ष पेश होना सुविधाजनक होगा।

इसरो को मिली बड़ी कामयाबी, 21वीं सदी का पुष्पक विमान लान्च

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष और अनुसंधान संगठन (इसरो) के लिए एक और उपलब्धि में, इसने कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में पुष्पक पुनः प्रयोज्य लॉन्च वाहन के लैंडिंग प्रयोग को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। RLV LEX–02 लैंडिंग प्रयोग पिछले वर्ष आयोजित RLV-LEX–01 के बाद श्रृंखला में दूसरा है। इसरो के एक बयान के अनुसार, आरएलवी– एलईएक्स–02 ने हेलीकॉप्टर से छोड़े जाने पर नाममात्र की स्थितियों से वाहन की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का प्रदर्शन किया।

टीम का मार्गदर्शन विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के उन्नत प्रौद्योगिकी और सिस्टम कार्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक सुनील पी द्वारा किया गया था। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि आरएलवी को फैलाव के साथ अधिक कठिन युद्धाभ्यास करने, क्रॉस–रेंज और डाउनरेंज दोनों को सही करने और पूरी तरह से स्वायत्त मोड में रनवे पर उतरने के लिए बनाया गया था। पुष्पक नाम के पंखों वाले वाहन को भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर द्वारा उठाया गया और 4.5 किमी की ऊंचाई से छोड़ा गया।

देश में भागीदारी सबसे बड़ा मुद्दा, जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वे होगा क्रांतिकारी कदम - राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हमने सामाजिक न्याय के बारे में बात की और इसका अगला क्रांतिकारी कदम जाति जनगणना, आर्थिक सर्वेक्षण, संस्थानों का सर्वेक्षण और देश की प्रणालियों और संस्थानों में भारत की 90% आबादी की भागीदारी के स्तर का पता लगाना है। उन्होंने कहा कि हमने तय किया है कि हम ये क्रांतिकारी काम करने जा रहे हैं और ये बात हमने अपने घोषणापत्र में कही है। उन्होंने कहा कि देश में भागीदारी सबसे बड़ा मुद्दा है। राहुल ने कहा कि यात्रा में हमने सामाजिक न्याय की बात की थी और उसका अगला क्रांतिकारी कदम जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वे है। इससे ये पता चल जाएगा कि देश की 90% आबादी की देश में क्या

भागीदारी है। मैं सभी का स्वागत करता हूं और आप सभी को दिल से धन्यवाद देता हूं। मैं खुश हूं कि हम सब एकसाथ ये लड़ाई लड़ने जा रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा को देखकर और उनके विचारों से प्रेरित होकर राजकुमार सैनी जी ने तय किया कि वह कांग्रेस पार्टी का साथ देंगे। इसलिए उन्होंने बिना किसी शर्त इंडिया गठबंधन को समर्थन देने का भरोसा दिया है। देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए राजकुमार सैनी जी एक हुए हैं। इसलिए मैं इनका धन्यवाद देता हूं। आपको बता दें कि पूर्व सांसद और लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के प्रमुख राज कुमार सैनी ने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बिना शर्त समर्थन देने का वादा किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा कि सैनी ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित होकर लोकसभा चुनाव में पार्टी को बिना शर्त समर्थन देने का फैसला किया है। राजकुमार सैनी ने कहा कि हम सभी राजनीतिक दल एक ही बात कह रहे थे कि हमें हमारी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

बैंक खाता 'फ्रीज' करना कांग्रेस के खिलाफ बहुत बड़ा षडयंत्र – पूर्व सीएम अशोक गहलोत

राजस्थान, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते को 'फ्रीज' करने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बहुत बड़ा षडयंत्र है। उन्होंने कहा कि यह भारत के नागरिकों की स्वतंत्रता का हनन है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा,''केन्द्र सरकार के आदेश पर आयकर विभाग (आईटी) ने कांग्रेस पार्टी के सभी बैंक खाते 'फ्रीज' कर दिए हैं। अगले महीने से देश में लोकसभा चुनाव शुरू हो रहे हैं जिनके लिए कांग्रेस को आर्थिक संसाधनों की जरूरत होगी परन्तु बैंक खाते 'फ्रीज' होने के कारण कोई भी लेन–देन नहीं किया जा सकता। ऐसा आजादी के बाद पहली बार राष्ट्रीय पार्टी के साथ ऐसा हो रहा है। उन्होंने लिखा कि यह

दिखाता है कि 400 पार का नारा देने वाली राजग सरकार लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। गहलोत ने कहा,''कांग्रेस चुनाव में नेताओं सभी जरूरी खर्च इन्हीं बैंक खातों से करती है। इन बैंक खातों को 'फ्रीज' करना कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बहुत बड़ा षड्यंत्र है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल के परिवार से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान उनके घर पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की। उसके बाद उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस के जरिए भाजपा पर निशाना साधा। भगवंत मान ने कहा कि देश में जो माहौल चल रहा है, वह कई सालों से चल रहा है, जो एजेंसी हैं, उनको एक टूल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर विपक्ष का कोई नेता भाजपा के खिलाफ जाता है तो उसके घर सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स पहुंच जाती है। देश में अघोषित आपातकाल जैसे हालात बन गए हैं। जहां इनकी सरकार नहीं होती है, वहां राज्यपालों के जरिए तंग किया जाता है। मैं भी उसका पीड़ित हूं। केरल के मुख्यमंत्री भी अभी जंतर–मंतर पर आकर गए हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अपने गवर्नर से परेशान हैं। ममता दीदी को रोज तंग किया जा रहा है।

हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को एलजी के जरिए तंग किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जब भी कोई काम करने जाते हैं तो वह टांग अड़ाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के जरिए सरकार चलानी पड़ रही है। पंजाब सरकार का आरडीएफ का 5,500 करोड़ रुपए रोका हुआ है। पंजाब का 8,000 करोड़ से ज्यादा पैसा रोका गया है। हम कोई भीख थोड़ी ना मांगते हैं।

वह टैक्स का पैसा है, जो हमें नहीं दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच का फैसला भी नहीं माना जा रहा है। दिल्ली में अस्पताल बनाने वाले सत्येंद्र जैन जेल के अंदर हैं। लाखों बच्चों को शिक्षा देने वाले मनीष सिसोदिया जेल के अंदर हैं। राज्यसभा में मोदी जी के खिलाफ उठकर बोलने वाले संजय सिंह जेल के अंदर हैं। अब अरविंद केजरीवाल को पकड़कर ले गए हैं। भगवंत मान ने आगे जिक्र किया कि अगर देश में कहीं लोकतंत्र है तो कहां पर है? मैं दो साल से पंजाब का मुख्यमंत्री हूं, हमने 43,000 नौकरियां दी। 800 से ज्यादा आम आदमी क्लीनिक बना दिए। 1.25 करोड़ से ज्यादा लोग अपना इलाज कराकर वहां से जा चुके हैं। आम आदमी क्लीनिक को बंद करने के लिए नेशनल हेल्थ कमीशन का पैसा रोका गया है।

15 अगस्त और 26 जनवरी को पंजाब की झांकी पर रोक लगा दी, जिसमें भगत सिंह, लाला लाजपत राय, मदनलाल ढींगरा जैसे लोगों का बलिदान दिखाई देता है। मुझे तो शक है कि अगर इनका बस चले तो जन गण मन से पंजाब का नाम हटा दें। यह पंजाब को बहुत नफरत करते हैं, जबकि, 532 किलोमीटर का हमारा बॉर्डर है, जहां पर पंजाब के बच्चे सीना तानकर दुश्मनों के सामने खड़े हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चाहते हैं कि विपक्ष का कोई भी नेता इस चुनाव में प्रचार ना कर पाए। रूस में दो दिन पहले क्या हुआ, 88 प्रतिशत वोट। यह लोग पुतिन के रास्ते पर ही चल रहे हैं। रात को 8 बजे ईडी पहुंचती है और 9 बजे सर्च ऑपरेशन करके अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेती है। वह एक देशभक्त बंदा है। अगर पैसे ही कमाने होते तो वह और उनकी पत्नी आईआरएस ऑफिसर थे। अभी अरविंद केजरीवाल के परिवार से मिलकर आया हूं। बेटा और बेटी हैं। आगे के एग्जाम देने हैं। उन्हें बुक्स लेना, सामान खरीदना है। लेकिन, उन्हें बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है। ना रिश्तेदारों को मिलने दिया जा रहा है।

यह बहुत निंदनीय है। अब आम आदमी पार्टी छोटी पार्टी नहीं है, 10 साल में राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। दो राज्यों में हमारी सरकारी है। हमारे राज्यसभा के दस मेंबर हैं। एक हमारे लोकसभा के मेंबर हैं। चंडीगढ़ का मेयर हमारा है और वह तो आपको पता ही होगा कि वह कैसे बना।

चुनाव के चलते केजरीवाल को निशाना बनाना गलत और असंवैधानिक – प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के कारण दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाना गलत और असंवैधानिक है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में बृहस्पतिवार रात दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चुनाव के चलते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद

केजरीवाल को इस तरह निशाना बनाना एकदम गलत और असंवैधानिक है। राजनीति का स्तर इस तरह से गिराना न प्रधानमंत्री जी को शोभा देता है, न उनकी सरकार को। उन्होंने कहा, अपने आलोचकों से चुनावी रणभूमि में उतरकर लड़िये, उनका डटकर मुकाबला करिए, उनकी नीतियों और कार्यशैली पर बेशक हमला करिए – यही लोकतंत्र होता है। मगर इस तरह देश की सारी संस्थाओं की ताकत का अपने राजनीतिक मकघ्सद को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करना, दबाव डालकर उन्हें कमजोर करना लोकतंत्र के हर उसूल के खघ्लाफ है। प्रियंका गांधी ने दावा किया कि देश के विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज कर दिये गये हैं, तमाम राजनीतिक दलों और उनके नेताओं पर ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग का दिन रात दबाव है। एक मुख्यमंत्री जेल में डलवा दिये गये हैं, अब दूसरे मुख्यमंत्री को भी जेल ले जाने की तैयारी हो रही है।

उच्चतम न्यायालय ने नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति में अपनाई गई प्रक्रिया पर केंद्र से सवाल किए

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए अपनाई गई प्रक्रिया पर केंद्र से सवाल किया और पूछा कि कुछ ही घंटों में 200 में से छह नाम कैसे 'शॉर्टलिस्ट' कर लिए गए। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि चयन समिति को निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति पर विचार करने के लिए और समय दिया जाना चाहिए था। पीठ ने केंद्र की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, "एक रिक्ति के लिए पांच नाम थे। दो के लिए आपने छह नाम भेजें। 10 क्यों नहीं? यह कानून की है – एक रिक्ति के लिए पांच नामों की अनुशंसा करनी होती है। रिकॉर्ड से ऐसा प्रतीत होता है।" उसने कहा, "वे (चयन समिति) 200 नामों पर विचार कर सकते हैं, लेकिन कितना समय दिया गया है, शायद दो घंटे? दो घंटे में दो सौ

नामों पर विचार? आप पारदर्शी हो सकते थे। मेहता ने बताया कि दो नए निर्वाचन आयुक्त एक चयन समिति द्वारा सुझाए गए 200 नामों में से चुने गए छह नामों में से थे। न्यायमूर्ति दत्ता ने मेहता से कहा, "न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, ाान के बाद सर्वोच्च है। जनता के भौहें चढ़ाने की कोई गुंजाइश क्यों छोड़ें। न्यायमूर्ति दत्ता ने मेहता से प्रक्रिया को 15 मार्च से पहले कर 14 मार्च करने के पीछे के कारण के बारे में भी सवाल किया। न्यायमूर्ति दत्ता ने पूछा, "एक न्याय होता हुआ दिखना भी चाहिए। हम जन प्रतिनिधित्व अधिनियम से निपट रहे हैं, जो मेरे अनुसार संविध (निर्वाचन आयुक्त) को चुनने के लिए आप 15 तारीख को रखते हैं और दो को चुनने के लिए आपने बैठक को 14 तारीख तक आगे बढ़ा दिया है? क्यों?" मेहता ने जवाब दिया कि चयन समिति के सदस्यों को उन छह अधिकारियों के बारे में पता था, जो राजनीतिक दलों से परे पद पर थे।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वह नियुक्त निर्वाचन आयुक्तों की साख पर नहीं बल्कि प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। पीठ ने हालांकि नए निर्वाचन आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की नियुक्ति पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि ऐसा करने से "अराजकता और अनिश्चितता" पैदा होगी क्योंकि लोकसभा चुनाव नजदीक हैं।

उत्तर प्रदेश की धमक पिछले सात साल में जबरदस्त बढ़ी

लखनऊ, संवाददाता। केवल उद्योगों में नहीं बल्कि शेयर बाजार और बैंकिंग में भी उत्तर प्रदेश की ध मक पिछले सात साल में जबरदस्त बढ़ी है। पहले इस सेक्टर में यूपी टॉप–20 में भी नहीं था। आज निवेशकों की संख्या के मामले में यूपी महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे नंबर पर है। डिजिटल लेनदेन दस गुना से भी ज्यादा हो गया है। बैंकों का विस्तार हुआ, लोन दोगुना हो गया। इसकी प्रमुख वजह यूपी की बदली छवि, रोजगार बढ़ने से युवाओं के पलायन में कमी, गांव–गांव का बैंकिंग नेटवर्क से जुड़ना, वित्तीय जागरुकता अभियान, प्रदेश में लोगों की आय में बढ़ोतरी और युवा व महिलाओं को स्वरोजगार के लिए चलाए गए अभियान हैं। हालांकि इस दिशा में कुछ चुनौतियां भी हैं। डिजिटल बैंकिंग के साथ साइबर फ्राड रोकना, बैंकों द्वारा किसानों और शिक्षा ऋण में कंजूसी बरतना और वसूली के तरीकों से जुड़ी शिकायतें भी हैं। शेयर,

म्यूचुअल फंड और बैंकों में पैसा बढ़ने का सीधा संकेत लोगों की समृद्धि है। वर्ष 2017 में शेयर बाजार में यूपी के केवल 22.20 लाख निवेशक थे। आज ये संख्या 1.76 करोड़ से भी ज्यादा हो गई है। इसी के साथ यूपी देश में दूसरे स्थान पर आ गया है। पहले स्थान पर 3.15 करोड़ निवेशकों के साथ महाराष्ट्र है। खास बात ये है कि सात साल पहले दूसरे नंबर पर गुजरात था, वो आज तीसरे नंबर पर है। राजस्थान, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य यूपी से बहुत नीचे हैं, जबकि सात साल पहले ये सभी राज्य यूपी से ऊपर थे। शेयर बाजार में यूपी के निवेशकों का दबदबा है। यूपी वालों के डीमैट खातों में 22.41 लाख करोड़ के शेयर जमा हैं, जबकि सात साल पहले करीब 6 लाख करोड़ के शेयर थे। यही नहीं युवाओं को फाइनेंशियल टूल से लैस करने का असर भी दिखने लगा है। पहले म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले शीर्ष 100 शहरों में यूपी के केवल दो शहर थे, आज इनकी संख्या 11 हो गई है। इनमें लखनऊ और कानपुर टॉप–20 में शुमार हैं। वाराणसी, आगरा, प्रयागराज, मेरठ के साथ गोरखपुर, मुरादाबाद, बरेली, अलीगढ़ और झांसी ने भी इस सूची में अब जगह बना ली है। आयकर रिटर्न फाइल करने की संख्या के पैमाने पर उत्तर प्रदेश, देश में दूसरा सबसे बड़ा राज्य बन गया है। जून 2014 में 1.65 लाख आयकर रिटर्न उत्तर प्रदेश से फाइल होते थे। जून 2023 में बढ़कर 11. 92 लाख आईटीआर आए।

अंदर रहूं या बाहर, मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है, गिरफ्तारी के बाद अरविंद केजरीवाल का पहला रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि उनका जीवन देश के लिए समर्पित है, चाहे वह जेल में हों या बाहर। राउज एवेन्यू कोर्ट में लाए जाने के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है, चाहे वह जेल के अंदर हो या बाहर। उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार रात प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद अरविंद केजरीवाल की यह पहली प्रतिक्रिया थी। संघीय जांच एजेंसी ने आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख पर अब खत्म हो चुके दिल्ली शराब नीति मामले का प्रमुख साजिशकर्ता होने का आरोप लगाते हुए उनकी 10 दिन की रिमांड मांगी है। उच्च न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण की उनकी याचिका खारिज करने के तुरंत बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021–22 तैयार करने और लागू करने के लिए साउथ ग्रुप से रिश्वत के रूप में कई करोड़ रुपये मिले। एजेंसी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने राउज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि केजरीवाल ने पंजाब चुनाव लड़ने के लिए साउथ ग्रुप के कुछ आरोपियों से 100 करोड़ रुपये की मांग की थी। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस लेने के तुरंत बाद, आप प्रमुख को कड़ी सुरक्षा के बीच दोपहर 2 बजे के आसपास ट्रायल कोर्ट में पेश किया गया।

संपादकीय

आगे पथरीली सड़क

पिछले तीन हफ्तों में, पाकिस्तान में एक नई वास्तुकला उभरी है – एक नई सरकार लेकिन जिसमें कई परिचित चेहरे हैं। नवाज शरीफ के चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की कुछ उम्मीदों के बावजूद शहबाज शरीफ वापस आ गए हैं। बाद वाला अपने भाई के लिए अलग हट गया। इसे फरवरी के चुनावों में उनकी पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन की स्वीकृति के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें लोकप्रिय धारणा में असली विजेता इमरान खान और उनके समर्थक थे, जिनमें से कई ने नई नेशनल असेंबली में एकल सबसे बड़े समूह के रूप में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा और जीता। उनकी संख्या दो अन्य राष्ट्रीय पार्टियों – शरीफ बंधुओं की पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज और भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी से अधिक है। इस चुनाव की असली सीख यह थी कि सैन्य प्रतिष्ठान के स्पष्ट और कड़े विरोध के बावजूद इमरान खान और उनके समर्थकों ने कितना अच्छा प्रदर्शन किया। पाकिस्तान में सेना–विरोधी/व्यवस्था–विरोधी जगह पर अब इमरान खान का कब्जा है। उनका चुनावी प्रदर्शन और उनका जेल में समय बिताना, पाकिस्तान के गंभीर समस्याग्रस्त मुद्दों के बारहमासी कॉकटेल में अप्रत्याशित, यहां तक कि ज्वलनशील, तत्वों को जोड़ देता है। नई सरकार के साथ–साथ, पाकिस्तान को आसिफ अली जरदारी के परिचित चेहरे के रूप में एक नया राष्ट्रपति भी मिल गया है। पाकिस्तान में पहली बार किसी राष्ट्रपति को दूसरे कार्यकाल के लिए चुना जाएगा। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल 2008 से 2013 तक बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद था। इसने जरदारी को बेनजीर के बच्चों के पिता के रूप में सही मायने में भुट्टो का उत्तराधिकारी बना दिया। उनके राजनीतिक करियर को याद करने लायक है। 1990 के दशक और इस सदी के शुरुआती वर्षों में, जरदारी कई भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करते हुए एक विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में थे। लेकिन ये भी बेनजीर भुट्टो पर दबाव बनाने का एक जरिया था, लगभग 11 साल जेल में बिताने के बावजूद अंततः उन्हें कभी दोषी नहीं ठहराया गया – पाकिस्तान में, शायद पूरे दक्षिण एशिया में भी एक रिकॉर्ड। कुछ लोगों के लिए, जरदारी एक बहुत बड़ा बदमाश है और दूसरों के लिए, वह एक चतुर राजनीतिज्ञ हैं लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वह फिर से राष्ट्रपति हैं। जरदारी की राजनीतिक प्रोफाइल और तथ्य यह है कि वह और उनके बच्चे पीपीपी के प्रमुख हैं, इसका मतलब है कि उनकी भूमिका एक औपचारिक राज्य प्रमुख से कहीं अधिक होगी। शहबाज शरीफ जिस गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं, उसके लिए पीपीपी का समर्थन महत्वपूर्ण है। फिर भी, यह बाहर से समर्थन है क्योंकि पीपीपी सरकार में शामिल नहीं हुई है। यह मौजूदा गठबंधन को सेना के दृढ़ समर्थन के बावजूद, कम से कम धारणा के संदर्भ में बहुत अधिक अस्थिर बनाता है। यह सरकार कब तक चलेगी? सेना की दीर्घकालिक योजनाएं क्या हैं, यदि कोई हों? और, सबसे बढ़कर, इमरान खान अपने पक्ष में माहौल बनाए रखने के लिए जेल से क्या करेंगे? ये वो सवाल हैं जो पाकिस्तान को उलझाए रखते हैं। नई सरकार के सामने कार्य कठिन हैंः सूची में सबसे ऊपर अर्थव्यवस्था और इसे प्रभावित करने वाली कई संरचनात्मक बुराइयाँ हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से एक और बड़ा पैकेज अपरिहार्य है और इस पर बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है। यहां वास्तविक मुद्दे संबंधित शर्तें और सार्वजनिक अपमान का बोझ हैं जो अतिरिक्त रूप से उस सरकार पर पड़ेगा जिसके जनादेश और विश्वसनीयता पर पहले से ही सवालिया निशान हैं। भू–राजनीतिक उत्तोलन की अनुपस्थिति का मतलब है कि बाहरी दानदाताओं और आईएमएफ के साथ बातचीत और भी कठिन काम है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अफगानिस्तान से हटने से पाकिस्तान के पास मौजूद सबसे मजबूत लाभ समाप्त हो गया है। सरकार के सामने बाहरी मुद्दे भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, अफगान–पाक सीमा पर एक आतंकवादी हमले के बाद तीव्र झड़पें देखी गईं, जिसमें एक वरिष्ठ अधिकारी सहित कई पाकिस्तानी सेना के जवान मारे गए। अफगानों ने तब से पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के अंदर हमलों के लिए अपनी वायु सेना का उपयोग करने का आरोप लगाया है। 2022 और 2023 में भी पाकिस्तान द्वारा हवाई हमलों की सूचना मिली थी लेकिन इस बार आरोप से इनकार नहीं किया गया है और इस प्रकार, वास्तव में इसकी पुष्टि की गई है। यह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव की तीव्रता के एक नए स्तर का प्रतीक है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के साथ संबंध किसी के अनुमान से कहीं ज्यादा तेजी से और खराब हुए हैं। यह रिश्ता पाकिस्तान के लिए एक बड़ी घरेलू कठिनाई – तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान – को समाहित करता है। इसके असंख्य आतंकवादी हमले अब भारी पड़ रहे हैं और ऐसा बोझ डाल रहे हैं जिसे कोई भी सरकार लंबे समय तक नहीं उठा सकती है। साथ ही, इस साल जनवरी में किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों और जवाबी हमलों के बाद ईरान के साथ संबंधों को लेकर नई चिंताएं भी हैं। ईरान या अफगानिस्तान के साथ तनातनी कोई नई बात नहीं है लेकिन झड़पों की तीव्रता कोई नई बात नहीं है निश्चित रूप से हैं। भारत का शाश्वत मुद्दा भी है। हालाँकि, इसमें कम से कम, अफगानिस्तान, टीटीपी या अर्थव्यवस्था से संबंधित मुद्दों के विपरीत, नई सरकार के पास कुछ समय है। भारतीय चुनाव द्विपक्षीय संबंधों में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध को कैसे और कैसे तोड़ा जाए।

पुतिन का जनादेश यूक्रेन युद्ध को निपटाने के लिए

आदित्य

कई बार ऐसा होता है कि जब कोई आश्चर्य करता है कि क्या प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एक निम्न स्तर के रूसीवादी या निर्भीक रूसोफाइल रहे हैं। निस्संदेह, दोनों होना संभव है। सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी शानदार चुनावी जीत पर मोदी का बधाई संदेश पश्चिमी और भारतीय प्रेस द्वारा सर्वेक्षण को दिखावा और धोखाधड़ी बताने की पृष्ठभूमि में सुर्खियों में आया। पश्चिमी राजधानियों में इस अहसास के साथ भावनाएं प्रबल हो रही हैं कि यूक्रेन युद्ध के नतीजे को प्रभावित करने के लिए अब बहुत देर हो चुकी है। 15–17 मार्च को राष्ट्रपति चुनाव से पहले रूस को अस्थिर करने का एक गुप्त प्रयास सामने आया। यूक्रेन के साथ सीमा पार से 1,500–मजबूत स्ट्राइक फोर्स जिसमें एक विशेष इकाई में रूसी भाषी और टैंक और बख्तरबंद कर्मियों के वाहक (ब्रेडली पैदल सेना से लड़ने वाले वाहनों सहित) और कुलीन यूक्रेनी इकाइयों के सदमे सैनिकों द्वारा समर्थित बड़ी संख्या में विदेशी लड़ाके शामिल थे, ने हताश कर दिया। बेलगोरोड क्षेत्र में कुछ रूसी क्षेत्र पर कब्जा करने का प्रयास। ऑपरेशन असफलता के साथ समाप्त हुआ और मतदान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हुआ। पूरे ऑपरेशन का उद्देश्य पुतिन के लिए समर्थन को कमजोर करना और रूस में चुनाव को बाधित करना था। अब चुनाव परिणाम को बदनाम करने के लिए प्लान बी सामने आ रहा है। लेकिन 74 प्रतिशत मतदान अपने आप में बहुत कुछ कहता है। दरअसल, यह लोकतंत्र के बारे में नहीं बल्कि पुतिन के लिए वोट है। रूसी मतदाताओं ने पुतिन को युद्ध से निपटने और साथ ही अर्थव्यवस्था को एक प्रभावशाली विकास पथ पर ले जाने के साथ–साथ आधुनिकीकरण और नवाचार के एक महत्वाकांक्षी खाका के समर्थन और अनुमोदन का एक शानदार जनादेश सौंपा। रूसी राष्ट्रवाद का स्पष्ट उभार है, जिसका प्रतीक पुतिन हैं। पश्चिमी राजधानियाँ इसे स्वीकार करने से कतराती हैं। पुतिन को मोदी का संदेश – जिसके बाद बुधवार को पुतिन को एक फोन कॉल आया – इस वास्तविकता को स्वीकार करता है और रूस के साथ भारत के संबंधों पर इसके गहरे निहितार्थों पर ध्यान देता है। यहां तक कि मोदी के आलोचक भी स्वीकार करेंगे कि रूस के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाला छद्म युद्ध रूस के साथ भारत के समय–परीक्षित संबंधों की अंतिम परीक्षा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि बिडेन प्रशासन के भारी दबाव के बावजूद भारत अपनी स्थिति पर कायम रहा। भारत–रूस संबंधों ने गुणात्मक रूप से एक नए स्तर को छू लिया है और दूरदर्शी गतिशीलता हासिल कर ली है। लेकिन हमारे प्रधान मंत्री की दूरदर्शिता और व्यावहारिक भूमिका के कारण ऐसा नहीं हुआ होता। जर्मनी के रामस्टीन एयर बेस पर मंगलवार को यूक्रेन रक्षा संपर्क समूह की नवीनतम बैठक में, अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने युद्ध लड़ने के लिए यूक्रेन को गोला–बारूद से अधिक शब्दों की पेशकश की। उन्होंने वादा किया कि दुनिया की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं कीव को निराश नहीं करेंगी, लेकिन उनके पास विशेष जानकारी नहीं थीकृकि कितनी ठोस मदद की पेशकश की जाए। ऑस्टिन ने यह भी स्वीकार किया कि मॉस्को ने युद्ध के मैदान में सिलसिलेवार बढ़त हासिल की है। दरअसल, अब यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि हाउस रिपब्लिकन यूक्रेन के लिए फंड जारी करेंगे क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प एकमात्र रिपब्लिकन उम्मीदवार बचे हैं। गतिरोध यूरोपीय लोगों पर भारी काम करने की जिम्मेदारी डालता है। लेकिन जैसा कि एक जर्मन संपादक, वोल्फगैंग मुनचाउ ने इस सप्ताह लिखा था,

यूक्रेन पर पश्चिमी गठबंधन के साथ समस्या अमेरिकी अनिच्छा, जर्मन लाल रेखाओं और फ्रांसीसी दादागीरी का एक संयोजन है... यूक्रेन के लिए फ्रांसीसी समर्थन ज्यादातर बयानबाजी के रूप में आता है – जैसा कि विरोध में है वित्तीय और सैन्य सहायता निर्देशित करना। सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में, फ्रांस यूक्रेन के समर्थकों में 28वें स्थान पर है। जर्मनी आर्थिक और सैन्य रूप से यूक्रेन का बहुत बड़ा समर्थक है। लेकिन जर्मन लड़ाकू तैनाती बर्लिन के लिए एक खतरे की रेखा है, जो यूक्रेन में टॉरस क्रूज मिसाइलों को भेजने का भी विरोध करता है, उसे डर है कि कीव उनका इस्तेमाल रूस में लक्ष्यों को मारने के लिए कर सकता है। इस बीच, सभी के लिए बड़ा अनुत्तरित प्रश्न यह है कि यदि ट्रम्प के नेतृत्व वाला अमेरिकी प्रशासन यूक्रेन युद्ध के लिए समर्थन वापस ले लेता है तो यूरोपीय क्या करेंगे। कोई आसान जवाब नहीं हैं।

विश्वसनीय बनाने के लिए बदलाव की जरूरत

ललित

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद ने 27 जनवरी, 2024 को अपनी कार्यकारी परिषद की बैठक में, लेटर ग्रेड प्रणाली से हटकर, उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए मान्यता प्राप्त या मान्यता प्राप्त नहीं का एक द्विआधारी वर्गीकरण शुरू करने का निर्णय लिया। इसके अलावा, संस्थानों को अपना स्तर बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, इसमें कहा गया है कि मान्यता प्राप्त संस्थान उच्च स्तर की मान्यता के लिए जा सकते हैं। ऐसे संस्थानों को परिपक्वता–आधारित ग्रेडेड प्रत्यायन (एमबीजीए) के तहत दो स्मूहों में वर्गीकृत किया जाएगा। इस प्रणाली में, अपेक्षित आवश्यकताओं को पूरा करने वालों को राष्ट्रीय उत्कृष्टता के संस्थानोंश के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा और उन्हें स्तर 1 से 4 में रखा जाएगा। जो लोग बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे उन्हें स्तर 5 में रखा जाएगा, जो दर्शाता है कि वे श्बहु–अनुशासनात्मक के लिए वैश्विक उत्कृष्टता के संस्थानश हैं। अनुसंधान और शिक्षाश. बाइनरी मान्यता प्रणाली अगले चार महीनों में शुरू की जाएगी, और एमबीजीए दिसंबर 2024 तक लागू होने की उम्मीद है। एनएएसी की मान्यता प्रणाली को सुव्यवस्थित करने का कदम – जो अब तक विवादों और अनियमितताओं, पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरा हुआ था – स्वागतयोग्य है। 2023 में लगभग इसी समय, कई उच्च शिक्षण संस्थानों ने छ।ब पर गंभीर आरोप लगाए। आरोपों की जांच के लिए, एजेंसी के कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष भूषण पटवर्धन ने सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क के निदेशक जेपी सिंह जोरेल की अध्यक्षता में एक समिति गठित की। समिति के निष्कर्षों ने एनएएसी की विश्वसनीयता के बारे में संदेह को बल दिया। इसमें कहा गया है कि एजेंसी की आईटी प्रणाली से समझौता किया गया था, इसके अलावा यह खुलासा हुआ कि 4,000 मूल्यांकनकर्ताओं के समूह में से लगभग 70 प्रतिशत विशेषज्ञों को साइट विजिट का कोई अवसर नहीं मिला, जबकि कुछ को यह कई बार मिला। एक और महत्वपूर्ण खोज यह थी कि बिना अधिकार वाले विशिष्ट व्यक्तियों को एनएएसी की आंतरिक प्रणाली तक पूरी पहुंच प्राप्त थी। स्थिति से निराश पटवर्धन ने 5 मार्च, 2023 को यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की उनकी सिफारिशों को उनके वरिष्ठों ने हल्के में लिया। ताबूत में आखिरी कील भारत के महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट थी जिसने कई अनियमितताओं पर एनएएसी को दंडित किया था। 20 संस्थानों के लिए, महत्वपूर्ण संकेतकों को दिए गए अंक रिपोर्ट की वास्तविक सामग्री से मेल नहीं खाते। इसके अलावा, कुछ संस्थानों को बिना कारण बताए उच्च अंक दिए गए। परिणाम स्वरूप, कुछ को निम्न और कुछ को अत्यधिक उच्च ग्रेड प्राप्त हुए। हमें इस संदिग्ध इतिहास के आलोक में नई मान्यता प्रणाली की जांच करनी चाहिए। बाइनरी मान्यता एक सरल अवधारणा है जो स्पष्ट रूप से बताती है कि संस्थान मान्यता प्राप्त है या नहीं। जैसा कि NAAC का कहना है, इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा के सभी संस्थानों को मान्यता के लिए प्रोत्साहित करना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई संस्थानों ने खराब नतीजे आने के डर से मान्यता के लिए आवेदन नहीं किया है। इसके पीछे दो ही कारण हो सकते हैंः एक तो उनमें गुणवत्ता का अभाव हैय दो, उनमें व्यवस्था पर विश्वास की कमी है। यह चौंकाने वाली बात है कि पिछले साल फरवरी में संसद को बताया गया था कि 695 विश्वविद्यालयों और 34,734 कॉलेजों के पास मान्यता नहीं है। इसलिए, सभी संस्थानों को शामिल करना का उद्देश्य प्रशंसनीय है, क्योंकि मान्यता से देश के भीतर और बाहर दोनों जगह संस्थानों की दृश्यता बढ़ेगी। हालाँकि, सवाल यह है कि एनएएसी किस प्रक्रिया को अपनाना चाहता है। इसमें कहा गया है कि बाइनरी और एमबीजीए दोनों प्रणालियों के लिए मेट्रिक्स केवल इनपुट–केंद्रित के बजाय एचईआई की विशेषताओं में प्रक्रियाओं, परिणामों और प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करेंगे। लेकिन निष्पक्षता सुनिश्चित करने की व्यवस्था क्या है? प्रक्रिया कितनी निष्पक्ष और पारदर्शी होगी? अतीत में, NAAC के पास अपना स्वयं का डेटा सेंटर भी नहीं था, जिससे प्रस्तुत करने के बाद जानकारी बदलने का संदेह होता था। क्या इसे ठीक कर दिया गया है? इन मुद्दों को नजरअंदाज करना और बदलाव लाना पुरानी शराब को नई बोतल में डालने जैसा है। अच्छे और औसत दर्जे के संस्थान शीर्ष रैंकिंग के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, नए एमबीजीए से भ्रष्टाचार का मार्ग प्रशस्त होगा। पुरानी प्रणाली में, संघर्ष ,। ग्रेड प्राप्त करने के लिए था अब संस्थान स्तर 5 पर नजर रखेंगे। क्या हम पत्र प्रणाली को केवल इसलिए समाप्त कर रहे हैं ताकि इसे समान रूप से त्रुटिपूर्ण प्रणाली से बदल दिया जाए? एक महत्वपूर्ण बदलाव जिसे एनएएसी को लागू करना चाहिए वह है कैंपस मूल्यांकन के दौरान सहकर्मी टीम के दौरे का संचालन। एजेंसी ऐसा माहौल तैयार करने के लिए जिम्मेदार है जो संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के बीच विश्वास को बढ़ावा दे। जबकि मूल्यांकन प्रक्रिया में कठोरता बनाए रखनी चाहिए, सरलता इसकी प्रभावशीलता को बढ़ा सकती है। कई संस्थानों में, लोगों में डर व्याप्त हो जाता है क्योंकि सहकर्मी टीम के सदस्य खोजी भूमिका अपनाते हैं, कभी–कभी कर्मचारियों और छात्रों को डराते हैं। कभी–कभी माहौल निःसंदेह गैर–शैक्षिक होता है। दूसरी ओर, संस्थाएँ मेहमाननवाज और आज्ञाकारी होने के बीच अंतर बनाए रखने में भी विफल रहती हैं। वर्तमान में, कैंपस दौरे के साथ अत्यधिक तमाशा जुड़ा हुआ है। याद रखने योग्य मूल सिद्धांत यह है कि आने वाले सदस्य शिक्षाविद हैं। इसलिए, उनके साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। यहां तक कि मित्रता की थोड़ी सी भी अधिकता प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है क्योंकि सदस्यों को या तो मेजबानों के इरादों पर संदेह हो जाता है या वे गलत समझ लेते हैं।

प्रसार भारती के प्रमुख के पद पर लाया गया

आसिफ

प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी नवनीत कुमार सहगल की नियुक्ति में केंद्र और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच जटिल और सूक्ष्म रूप से प्रतिकूल बातचीत के सभी संकेत हैं। ए सूर्य प्रकाश की सेवानिवृत्ति के बाद से यह पद चार साल से अधिक समय से खाली था। निःसंदेह श्री सहगल के पास उत्तर प्रदेश में वरिष्ठ पदों पर कार्य करने का भरपूर अनुभव है। 2023 में सेवानिवृत्त होने से ठीक पहले, वह खेल और युवा विभाग में मुख्य सचिव थे, लेकिन अपने मीडिया प्रबंधन कौशल और यूपी के वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन के आयोजन और नोएडा में प्रतिष्ठित मोटोजीपी की मेजबानी में उनकी भूमिका के लिए भी जाने जाते थे। लेकिन कुछ समय के लिए दरकिनार किए जाने के बाद उनके करियर की दिशा में उल्लेखनीय वापसी हुई है। श्री सहगल को एक समय यूपी के सबसे प्रभावशाली अधिकारियों में से एक माना जाता था, जो योगी आदित्यनाथ के साथ निकटता से जुड़े नौ आईएएस अधिकारियों के समूह श्टीम 9श के अभिन्न सदस्य थे। हालाँकि, ऐसा प्रतीत होता है कि सेवानिवृत्त होने के बाद श्री सहगल को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोई महत्वपूर्ण पद नहीं दिया गया, जिससे यह पता चलता है कि शायद उनका योगी से मनमुटाव हो गया है। लेकिन पर्यवेक्षकों का सुझाव है कि श्री सहगल, जो अब योगी के करीबी नहीं हैं, उन्हें अब केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार का समर्थन मिल गया है। यूपी सरकार के लिए संकटमोचक बनने के बाद, श्री सहगल को अब श्री मोदी के मीडिया प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए बुलाया जाएगा, खासकर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय चुनाव के दौरान। औचक फेरबदल से अटकलें तेज हो गई मधुप कुमार तिवारी अभी कानून एवं व्यवस्था के लिए विशेष पुलिस आयुक्त के रूप में अपनी भूमिका में जम ही पाए थे कि फरवरी में उन्हें आश्चर्यजनक रूप से डीजीपी के रूप में चंडीगढ़ स्थानांतरित कर दिया गया। उस समय, कई लोगों ने अनुमान लगाया कि उनका स्थानांतरण आगामी लोकसभा चुनावों से संबंधित था। हालाँकि, चुनाव की घोषणा से महज कुछ दिन पहले डी.सी. श्रीवास्तव के साथ–साथ उनके स्थानांतरण आदेशों को हाल ही में उलट दिए जाने से पर्यवेक्षक इस अचानक फेरबदल के पीछे के अंतर्निहित कारणों के बारे में अपना सिर खुजलाने लगे हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में डीजीपी की भूमिका संभालने के लिए दिल्ली से दोबारा नियुक्त किए गए सुरेंद्र कुमार यादव को अब चंडीगढ़ में नया डीजीपी नामित किया गया है। सूत्रों ने डीकेबी को सूचित किया है कि श्री तिवारी ने दिल्ली से चंडीगढ़ अपने स्थानांतरण पर कथित तौर पर विरोध किया था, यह तर्क देते हुए कि दिल्ली में कानून और व्यवस्था की देखरेख के उनके हालिया कार्यभार को स्थानांतरण की आवश्यकता को समाप्त करना चाहिए था। कथित तौर पर, उनकी अपील सफल रही, जिससे उन्हें अपनी महत्वपूर्ण स्थिति बरकरार रखने की इजाजत मिली, कुछ लोगों का कहना है कि यह कदम लोकसभा चुनावों से पहले दिल्ली में पूर्वांचली समुदाय के बीच समर्थन हासिल कर सकता है। कुछ अटकलें हैं कि पलटा गया फैसला चंडीगढ़ मेयर चुनाव में गड़बड़ी और अनिल मसीह की भूमिका को लेकर उपजे विवाद से जुड़ा हो सकता है, जिससे केंद्र सरकार को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी। इस बीच, अरुणाचल प्रदेश के निवर्तमान डीजी देवेश श्रीवास्तव, जिन्हें पहले एक अधिसूचना में दिल्ली पुलिस में स्थानांतरित किया जाना था, ने पाया कि अस्थायी रूप से ही सही, उनकी दिल्ली पोस्टिंग रुकी हुई है। हालांकि इस तरह के अचानक बदलाव असामान्य नहीं हैं, खासकर चुनावी मौसम के दौरान, ये खाकी वालों के बीच कुछ बेचैनी पैदा करते हैं। न्याय के लिए अशोक खेमका की लंबी लड़ाई हरियाणा के आईएएस अधिकारी अशोक खेमका की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने यह बहस छेड़ दी है कि नौकरशाहों का मूल्यांकन कैसे किया जाता है और ऐसा करने का अधिकार किसे होना चाहिए। श्री खेमका के उच्च ग्रेड को बरकरार रखने के पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले को पलटते हुए, शीर्ष अदालत ने एक आईएएस अधिकारी के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए आवश्यक विशेष समझ के लिए एक मजबूत मामला बनाया। इसमें कहा गया कि यह कार्य दृढ़तापूर्वक प्रशासनिक कार्यकारी शाखा के क्षेत्र में ही रहना चाहिए। जून 2017 में, प्रसिद्ध व्हिसलब्लोअर को राज्य के मुख्य सचिव, जो रिपोर्टिंग प्राधिकारी थे, से कुल मिलाकर 8.22 ग्रेड प्राप्त हुआ। फिर, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने समीक्षा प्राधिकारी के रूप में कार्य करते हुए, श्री खेमका का ग्रेड बढ़ाकर 9.22 कर दिया।

खुशहाल समाजों की रैंकिंग से भारत भ्रमित न हो

ललित

143 देशों के विश्व खुशहाली रैंकिंग में भारत 126वें स्थान पर रहा है जिसमें फिनलैंड ने लगातार छठीं बार सर्वोच्च स्थान पाया है। यह बात भी गौर करने की है कि भारत में दस अंकों का सुधार हुआ है, फिर भी भारत के लिये आश्चर्यकारी एवं विचारणीय है। फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश करार दिया गया है, पर गौर कीजिए, वहां आबादी सिर्फ 56 लाख है। मतलब, इस देश की चुनौतियां बहुत कम हैं। धार्मिक वातावरण ऐसा है कि विद्वेष की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। छोटा राष्ट्र होने की वजह से सरकारों के सामने समस्याएं कम है। अतः फिनलैंड की स्थिति अच्छी है, पर उसकी तुलना भारत जैसे 140 करोड़ आबादी वाले देश से कैसे हो सकती है? यह बहस का विषय है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस वार्षिक रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बनाए रखा है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इन सभी देशों में समाज समस्यामुक्त एवं काफी सुलझा हुआ है और विविधता वहां ज्यादा समस्याएं पैदा नहीं करती है। देखने की बात है कि खुशहाली की रिपोर्ट विगत एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी हो रही है और पहली बार अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों को शीर्ष 20 देशों में स्थान नहीं मिला है। पाकिस्तान पिछली बार 108वें स्थान पर था, इस बार 122वें पर आ गया है, पर तब भी भारत से चार पायदान ऊपर है। जिस देश में खूब महंगाई है, जहां की जनता त्राहिमाम–त्राहिमाम कर रही है, जहां धार्मिक उन्माद व्यापक है, जो आतंकवाद को प्रोत्साहन देता है, वह देश भी अगर हमसे खुशहाल है, तो ऐसी खुशहाली मापने के तरीकों पर विचार होना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि खुशहाली को तय करने के पैमानों में अवश्य ही कोई पूर्वाग्रह या आग्रह है। क्योंकि ऋण की गुहार लगाता एवं त्राहिमाम करता पाकिस्तान को 122वें स्थान की रैंकिंग देना विडंबनापूर्ण एवं विसंगतिमय हैं, जो इस सूचकांक के महत्व को घटा देती हैं। जो दुनिया के खुश देशों के आकलन में त्रुटि की पूरी संभावनाएं होने को दर्शाता है। अनेक सवाल खड़े करती है यह खुशहाली देशों की रैंकिंग। यह विडंबना ही है कि धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। ऐसी अतार्किक सूची देखकर अफसोस एवं आश्चर्य भी होता है और चिंता भी होती है। क्या खुशहाली को धार्मिक और सामाजिक स्वतंत्रता के आधार पर ज्यादा नहीं देखा जाना चाहिए? खुशहाली को केवल आर्थिक समृद्धि और संसाधनों की अधिकता में घटाकर देखना सही नहीं है। खुशहाली की रैंकिंग को देखकर भारत को कतई भ्रमित नहीं होना चाहिए। एक और विडंबना देखिए, निर्मम युद्ध लड़ रहा इजरायल पांचवां सबसे खुशहाल देश है! पीड़ित फलस्तीन 103वें स्थान पर है, तो रूस 72वें स्थान पर और यूक्रेन 105वें स्थान पर। ये देश युद्ध के बावजूद भारत से ज्यादा खुशहाल हैं। पता नहीं, इस रैंकिंग पर कितना भरोसा किया जाए? जहां तक भारत का सवाल है, खुशहाली के सभी पैमानों पर हमें अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति–निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। भारत सरकार इस रिपोर्ट को कितनी गंभीरता से लेती है, यह देखने वाली बात है। भारत में खुशहाली को बढ़ावा देने में यहां की जनसंख्या सबसे बड़ी बाधा है। भारत के अल्पसंख्यक समुदायों की कट्टरता एवं संकीर्णता भी खुशहाल समाज निर्माण की बड़ी बाधा है। भारत जैसे विशाल और असमान विकास वाले देश के लिए 126वां स्थान कितना मायने रखता है? भारत में कई तरह का भारत है, एक अमीर व खुशहाल भारत है, तो उसमें एक गरीब भारत भी है। गरीब भारत भी विकास कर रहा है, लेकिन आबादी इतनी ज्यादा है कि अभी देश को समग्रता में खुशहाल देशों में अव्वल स्थान बनाने में वक्त लगेगा। सबसे खुशहाल देश फिनलैंड की आबादी महज 56 लाख है, उसके लिए विकास आसान है। भारत के मुम्बई, दिल्ली, कोलकता शहर में इसमें कहीं ज्यादा लोग रहते हैं। वैसे भी खुशी महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी–छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है। खुशी एवं प्रसन्नता हम सबकी

जरूरत है, लेकिन प्रश्न है कि क्या हमारी यह जरूरत पूरी हो पा रही है, ताजा आकलन से तो यही सिद्ध हो रहा है कि हम खुशी एवं प्रसन्नता के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश है। खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है। लेकिन खुशियों का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम–से–कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिक ताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं समस्याएं दी है।

आचार संहिता के अनुरूप ही कार्य करे, एक भी मतदाता छुटना नही चाहिए -सहायक निर्वाचन अधिकारी

देश की उपासना
क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। नगर पालिका सभागार में आगामी लोकसभा चुनाव को सकुशल संपन्न करने के लिए बीएलओ की ट्रेनिंग संपन्न हुआ । इसमें पिच्यासी वर्ष से अधिक एवम दिव्यांग मतदाताओं के विषय में आयोग के निर्देश के क्रम कार्य करने हेतु निर्देशित किया। संभ्रांत नागरिकों एवम व्यापारियों के साथ मतदाता जागरूकता महोत्सव के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। चुनाव में सभी से बड़ चढ़ कर हिस्सा लेने हेतु आवाहन किया । मतदान बढ़ाने हेतु भी सुझावों पर चर्चा की गई जिसमे व्यापार मंडल के लोगों द्वारा सहयोग हेतु स्वयं आगे आने की बात कही। थाना मुंगरा बादशाहपुर के थाना अध्यक्ष द्वारा क्षेत्र के क्रिटिकल एवम वर्नेबल बूथ के विषय में बताया गया। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवम उपजिलाधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश ने आग्रह करते हुए कहा कि हमे मतदान प्रतिशत बड़ाना है। महिलाओं को बूथ तक पहुंचने हेतु प्रोत्साहित करना है। दिव्यांग मतदाता के लिए रैंप एवम माहिलों हेतु पिंक बूथ भी बनाए जायेंगे। सुपरवाइजर को निर्देशित किया की अपने बीएलओ से लगतार संपर्क में रहें। वीआईपी वोटर्स एवम विशिष्ट लोगों के वोट छुटने नही चाहिए। जिन लोगो के नाम जुड़ने से रह गए हैं उनका नाम भी जुड़वाने का प्रयास करें। क्षेत्रों में जाकर मतदान सूची को आवश्यक रूप से पड़े। वर्तमान में चुनाव आचार संहिता लागू है उसमे दिए गए निर्देश के अनुरूप कार्य करे। किसी के आवास या निजी प्रतिष्ठान पर बिना शमती के किसी प्रकार का झंडा , बैनर या पोस्टर न लगाएं । पचास हजार से जायदा कैश साथ ले कर न चले अगर होता है तो उससे संबंधित दस्तावेज साथ रखें। इसके बाद क्षेत्र के मतदाता केंद्र एवम बूथ का भी भ्रमण किया। मतदान पर आवश्यक व्यवस्था हेतु संबंधित को निर्देशित किया। साथ ही नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि सभी बूथ पर चुनाव आयोग के निर्देश के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी पत्र के क्रम में बूथ पर लिखवाना सुनिश्चित करें। बूथ भ्रमण एवम मतदाता जागरूकता महोत्सव में व्यापारी मंडल के सदस्य एवम प्रबुद्ध नागरिक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका , नायब तहसीलदार, तहसीलदार एवम संबंधित सुपरवाइजर साथ रहे।

घटना,दुर्घटना के पीड़ितों एवं रोगियों की सहायता के लिए 108/102 एंबुलेंस को चिन्हित हाट स्पाट पर खड़ा किया गया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

होली के पर्व को दृष्टिगत रखते हुए आज जिले में रीजनल मैनेजर अमित मिश्रा के आदेशानुसार जिले की सभी एंबुलेंस को एक निश्चित हॉटस्पॉट केंद्र पर खड़ा कराया गया है साथ ही सभी को आदेशित किया गया है कि किसी प्रकार की समस्याओं से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहें जैसा कि सभी को ज्ञात है की होली के इस पावन पर पर अत्यधिक रूप से एक्सीडेंट होते हैं जिनसे निपटने के लिए जीवीके एमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विस के द्वारा संचालित 108 102 एम्बुलेंस को एक निश्चित हॉटस्पॉट पर केंद्रित किया गया है साथ ही किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए 108 हुआ 102 के एंबुलेंस कर्मचारी को बताया गया है कि जिस समय कहीं भी किसी प्रकार की घटना की जानकारी मिलती है वह तुरंत से तुरंत मरीजों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाएं तथा उनकी जान बचाने में मदद करें इस अवसर पर जिला प्रोग्राम मैनेजर विकाश सिंह व जिला प्रभारी ई एम ई नितिन सिंह ने इस होली के पावन पर पर सभी सी एच सी जाकर लड़कों को मिष्ठान वितरित किया साथ ही होली की शुभकामनाएं दी और उन्हें इस पर पर अत्यधिक रूप से अच्छी तरीके से तैयार रहकर मरीजों की जान बचाने के लिए आदेशित किया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा आगामी होली पर्व के दृष्टिगत चलाये गये विशेष प्रवर्तन अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सहायक आयुक्त (खाद्य)–द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन देवाशीष उपाध्याय ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देश के अनुपालन के क्रम में आगामी होली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों विशेषकर खोया, पनीर, दूध एवं दुग्ध पदार्थ से निर्मित खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, घी एवं वनस्पति, रंगीन कचरी, पापड़, चिप्स एवं नमकीन, विभिन्न प्रकार की मिठाईयां व अन्य खाद्य पदार्थ यथा बेसन, मैदा आदि के भण्डारणधविक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 18 मार्च 2024 से चलाये जा रहे विशेष छापामार अभियान के अन्तर्गत 19 मार्च 2024 को खाद्य सचल दल द्वारा मौर्या मार्केट से दूध का 01 नमूना, यू.पी. सिंह कॉलोनी बनबिहार रोड से दूध का 02 नमूना, जगदीशपुर रेवले क्रासिंग के पास से दूध का 01 नमूना, सदर हास्पिटल के पास सहाबूद्दीपुर से बरफी का 03 नमूना, मीट मार्केट जहांगीराबाद से खोया का 01 नमूना, बरफी का 01 नमूना तथा घी का 01 नमूना, अहियापुर से पेड़ा का 01 नमूना

एवं रसूलाबाद से पनीर का 01 नमूना जनहित में जांच हेतु संग्रहीत किया गया।

इस प्रकार जनपद के विभिन्न स्थानों पर स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण करते हुए मिलावट के सन्देह के आधार जनहित में विभिन्न खाद्य पदार्थों के 18 मार्च 2024 को कुल–04 नमूनें एवं 19 मार्च 2024 को कुल–12 नमूनें जांच हेतु संग्रहीत करते हुए खाद्य विश्लेषक को प्रेषित किया गया ।

समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील किया जाता है कि आप लोग खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत खाद्य कारोबार संचालन हेतु अनिवार्य वैध खाद्य पंजीकरणध्खाद्य अनुज्ञप्ति अवश्यक प्राप्त कर लें तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं सम्बन्धी विनियम 2011 में विहित प्राविधानों का अनुपालन करते हुए खाद्य कारोबार का संचालन करें, अन्यथा कि स्थिति में पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ता के विरूद्ध नियमानुसार सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही किया जाएगा।

भाजपा नेता बच्चा भैया के माता के निधन पर राज्य मंत्री ने घर पहुंच कर दिया श्रद्धांजलि

सिक्किम के राज्यपाल समेत कई नेताओं मंत्रियों ने फोन से व्यक्त किया शोक संवेदना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट के माता जी सुशीला देवी माताजी के निधन पर आज उनके सदर चुंगी आवास पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री गिरीश चन्द यादव ने पहुचकर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया और कहाँ की सुशीला माताजी जी एक कुशल समाजसेवी थी और दुर्गा वाहिनी में भी कुशल कार्य किया था व एक शिक्षक होते हुए लोगो का मार्गदर्शन करती रही उनके निधन से समाज को गहरी क्षति पहुंची है। बच्चा भइया के माताजी के निधन पर सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य जी, जम्मू कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा जी ,पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार के वन मंत्री डॉ अरुण सक्सेना जी पूर्व सांसद आर के सिन्हा जी,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द श्रीवास्तव ने फोन कर शोक व्यक्त किया और श्रद्धाजलि अर्पित किया।बच्चा भइया के सदर चुंगी आवास पर भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं अधिवक्ता संघ के लोगो ने पहुचकर श्रद्धाजलि अर्पित किया।

होली के मद्देनजर सभी शराब की दुकान है 25 मार्च तक रहेगी बंद – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला मजिस्ट्रेट रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने अवगत कराया है कि संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम–1910 की धारा–59 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों एवं अधिकारों का प्रयोग करते हुए होली पर्व के अवसर पर कानून–व्यवस्था एवं लोक शान्ति बनाये रखने के निमित्त जनपद जौनपुर की समस्त देशी शराब, विदेशी मंदिरा, बीयर, माडल शाप, भांग, ताड़ी, एफ0एल0–2, 2बी, सी0एल0–2 एवं समिश्रबार आदि मादक पदार्थों के अनुज्ञापनों को 25 मार्च, 2024 को सायं 04.00 बजे तक बन्द रखने का आदेश दिया गया है।

इस प्रकार दुकानों को बन्द रखने के लिए संबंधित अनुज्ञापियों को नियमानुसार कोई प्रतिफल देय नही होगा।

85 वर्ष की उम्र पार कर चुके मतदाता और 40% से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांजन कर सकेंगे घर से वोट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि. रा.)ध उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में दिव्यांग मतदाताओं हेतु गठित कमेटी व समाजसेवी संस्थाओ के साथ मीटिंग हुई। जिसमें दिव्यांग मतदाताओं को निर्वाचन सम्बंधित सुविधा प्रदान किये जाने हेतु विचार विमर्श और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए समाज सेवी संस्थाओ से भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी राम अक्षयबर चौहान ने कहा कि मतदान के दिन मतदाताओं को कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए तमाम तरह के उपाय किये जा रहे हैं। दिव्यांगों और वृद्ध मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। दिव्यांगों तथा वृद्ध जनों के लिए वोट डालते समय व्हील चेयर का इंतजाम किया जाएगा।

उन्होंने अवगत कराना है कि जिन मतदाताओं की आयु 85 वर्ष से अधिक हो गई है या जो 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग हैं तथा अपना वोट बूथ पर जाकर नहीं डाल सकते तो निर्वाचन आयोग ने उनके लिए घर से वोट डालने की सुविधा उपलब्ध कराई है इसके लिए बीएलओ द्वारा फॉर्म 12 क भरवाया जा रहा है। ध्यान रहे जिनका यह फॉर्म भरा जाएगा उन्ही को घर से वोट डलवाने की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने जिला दिव्यांगजन अधिकारी को निर्देशित किया कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के जिन दिव्यांगजन का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है उनका नाम वोटर हेल्पलाइन ऐप या वोटर पोर्टल के माध्यम से आनलाइन फार्म 6 भरवाकर आवेदन कराये, तथा सभी दिव्यांगजन मतदाताओं को जागरूक व प्रेरित कराये कि वे 25 मई को अपना मतदान अवश्य करें।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल ने कहा कि जनपद में युद्ध स्तर पर मतदाता जागरूकता अभियान चल रहे हैं, कोई भी मतदाता छूट न जाये इस बात पर विशेष ध्यान देने के लिए सभी विभागों के साथ ही समाज सेवी संस्थाओ का सहयोग भी अपेक्षित है। जिससे जनपद के मतदान प्रतिशत में बढ़ोत्तरी हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी लोगों को मतदान करने की शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, ईएलसी कोआर्डिनेटर रमेश चन्द्र यादव, ईओ नगर पालिका परिषद पवन कुमार, जिला दिव्यांगजन अधिकारी दिव्या शुक्ला, अपर जिला सूचना अधिकारी शशि सिंह, लायन्स क्लब रायल अध्यक्ष अजय गुप्ता, रोटरी क्लब से रविकान्त जायसवाल, जेसीआई चेतना से मीरा व वंशिका सिंह, जेसीआई क्लब अध्यक्ष आशुतोष जायसवाल, रचना विशेष विधालय से संतोष सिंह, लायन्स क्षितिज अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार लायन्स मेन कोषाध्यक्ष संजीव मौर्य, राजेश किशोर श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

15 दिन के भीतर आधारभूत सुविधाएं होना करें सुनिश्चित – जिला निर्वाचन अधिकारी

सुलतानपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में लोक सभा सामान्य निर्वाचन–2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, सकुशल, शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने हेतु नियुक्त नोडल अधिकारीध्सहायक प्रभारी अधिकारियों

के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में सौंपे गये उत्तरदायित्वों की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में मतदानध्मतगणना कार्मिक, सेक्टरध्जोनल मजिस्ट्रेट, माइक्रो ऑब्जर्बर तथा लोकेटरों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण व्यवस्था, ईवीएम एवं वीवी पैटध्सामान्य प्रशिक्षण, स्वीप व्यवस्था, पोलिंग स्टाफ वेलफेयर व्यवस्था, प्रेक्षकोंध्मतगणना पंडालों तथा डी.एम.सी. में कम्प्यूटर आदि की व्यवस्था, मतदाताओं को मतदान केन्द्रों पर न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करना जैसे– विद्युत, स्वच्छ पेयजल, रैम्प, पेन्टिंग, टेन्ट, शौंचालय(महिला, पुरूष) वैरीकेटिंग, बूथों की संख्या का अंकन, मॉडल बूथ, दिव्यांग मतदाताओं हेतु रैम्प, मेज, कुर्सी, मच्छरदानीध्मॉसकीटो क्वाइल, स्वीप योजनान्तर्गत मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार आदि जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी महोदया द्वारा सभी सम्बन्धित प्रभारी अधिकारीध सहायक प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं ससमय पूर्ण कर ली जाये। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होगी। उन्होंने कहा कि अगले 10 से 15 दिन के भीतर सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित कर ली जाये। उन्होंने मतदान केन्द्रों की रंगाई, पुताई, बूथ संख्या का अंकन कराना, विद्युत, स्वच्छ पेयजल, रैम्प, पेन्टिंग, टेन्ट, शौंचालय(महिलाधपुरूष) वैरीकेटिंग, बूथों की संख्या का अंकन, मॉडल बूथ, दिव्यांग मतदाताओं हेतु रैम्प आदि के सम्बन्ध में सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सुविधाएं समय से पहले सुनिश्चित कर ली जाय। उन्होंने कहा कि अंतिम समय का इंतजार न करें। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पंचायतराज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी सम्बन्धित अधिकारी संयुक्त प्रयास करते हुए मतदान केन्द्रों पर सभी आधारभूत सुविधाएं अगले 10 से 15 दिन में सुनिश्चित कर पी.पी.टी. बनाकर प्रस्तुत करें। उन्होंने जिला निर्वाचन कार्यालय को निर्देशित किया कि सभी मतदान केन्द्रों को कंट्रोल रूम से संचार के माध्यम से जोड़ने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि सभी मतदान केन्द्रों पर विद्यु आपूर्ति सुनिश्चित करायें। उन्होंने सभी तहसीलों के उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि सभी अपने–अपने क्षेत्र के मतदान केन्द्रोंध्बूथों का भौतिक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

नोडल अधिकारी (म0का0)ध मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराया कि समस्त सेक्टरध्जोनल मजिस्ट्रेट की बैठकें एक बार आयोजित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि मतदान, मतगणना कार्मिक ईवीएम एवं वीवी पैटध्सामान्य प्रशिक्षण व्यवस्था का तिथिवार चार्ट बनाकर प्रशिक्षण कराया जायेगा। सहायक प्रभारी अधिकारी(म0का0)धजिला विकास अधिकारी द्वारा ईवीएम एवं वीवी पैटध्सामान्य प्रशिक्षण व्यवस्था के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) गौरव शुक्ला द्वारा सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी व्यवस्थाएं समय से पहले सुनिश्चित कर ली जाय। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी बूथों पर आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि विधान सभावार तीन मॉडल मतदान केन्द्र, एक दिव्यांग मतदान केन्द्र बनाये जाने व उन पर सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार सुनिश्चित करायें। उन्होंने प्रेक्षकोंध्मतगणना पंण्डालों तथा डीएमसी में कम्प्यूटर आदि की व्यवस्था समय से कराने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, जिला पंचायतराज अधिकारी अभिषेक शुक्ला, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपिका चतुर्वेदी, जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वैदिक होली मनाएं पर्यावरण बचाएं – अमित निगम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भंडारी स्टेशन रोड स्थित सनराइज पब्लिक स्कूल मे उप प्रबंधक व आर एस के पर्यावरण प्रचारक अमित निगम द्वारा वैदिक होली गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिसमे गाय के गोबर के कंडी, हवन सामग्री से होलिका दहन करना चाहिए।

होलिका दहन के विषय में बताया कि नारायण का ही रूप हैं अग्निदेव

होली के दिन होलिका दहन में अग्नि की पूजा करने का विधान है। अग्निदेव की पूजा और उनसे मिलने वाले आशीर्वाद से अच्छी सेहत और दीर्घायु प्राप्त होती है। अतः इस दिन अग्नि पूजा का बहुत महत्व है। पुराणों के अनुसार,परमब्रह्म अग्निदेव पंचतत्वों में प्रमुख माने जाते हैं जो सभी जीवों के शरीर में अग्नितत्व के रूप में विराजमान रहते हुए जीवन भर उनकी रक्षा करते हैं।अग्निदेव सभी जीवों के साथ एक समान न्याय करते हैं। इसलिए सनातन धर्म को मानने वाले सभी लोग भक्त प्रहलाद पर आए संकट को टालने और अग्निदेव द्वारा ताप के बदले उन्हें शीतलता देने की विनती करते हैं। इससे ही मानव जीवन चलता है। होलिका दहन में जो भी सामग्री डाली जाती है वो अग्निदेव ही देवताओं को पहुंचाते हैं।इनका वर्णन भारत के प्राचीनतम वेद पुराणों में मिलता है। अग्नि की प्रार्थना, उपासना से साधक धन,धान्य, के साथ प्रसिद्धि प्राप्त करता है। उसकी शक्ति, प्रतिष्ठा एवं परिवार आदि की वृद्धि होती है।धर्मरूपी होली की अग्नि को अति पवित्र माना गया है इसलिए लोग इस अग्नि को अपने घर लाकर चूल्ला जलाते हैं और कहीं–कहीं तो इस अग्नि से अखंड दीप जलाने की भी परंपरा है। माना जाता है कि इससे न केवल कष्ट दूर होते है,सुख–समृद्धि भी आती है। इस अवसर पर सर्वेश सिंह सोनू,दुर्गेश दूबे, विकास सेठ, अनुभव मिश्रा एडवोकेट व कुंवर अरविंद सिंह उपस्थित रहे।

शहीदों के सम्मान में रक्तदान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाज में रक्त की कमी से किसी की मृत्यु ना हो और अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति सिंगरामऊ जौनपुर के द्वारा अमर शहीद भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु जी के 93 बलिदान दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक पर रेड क्रॉस सोसाइटी एवं निफा जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में में किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिलेश प्रताप शाही उपसभापति इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश एवं डीएम जौनपुर के प्रतिनिधि सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया एवं शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई तत्पश्चात सभी अतिथियों का स्वागत संस्था प्रमुख डॉक्टर अंजु सिंह द्वारा बुके और मोमेंटो देकर किया गया। इस अवसर पर सीएमएस डॉक्टर के के राय ने रक्तदान की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर के के पांडे ने ब्लड कॉम्पोनेंट्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी और समय–समय पर संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र

नंदन सिंह ने रक्तदान महादान बताते हुए आज के परिवेश में इसकी अनिवार्यता के बारे में बताया और सभी से बढ़–चढ़कर भाग लेने की अपील की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अखिलेंद्र प्रताप शाही ने रक्त दान की महानता को बताते हुए कहा की रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं होता है कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि सीएमओ डॉक्टर लक्ष्मी सिंह कर्नल आर एस मोनी

श्री जय नारायण शुक्ला अध्यक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सुल्तानपुर सहित प्रबंध समिति के सदस्य जावेद अहमद सिद्दीकी राजेंद्र शुक्ला मनोज वत्स संदीप पांडे डॉ सरोज सिंह रिटायर्ड प्रिंसिपल टीडीपीजी कॉलेज आदि ने भी संबोधित किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजय सेठ नीरज शाह सुधाकर दुबे रंजन उपाध्याय अमित सिंह अभय सिंह विनोद मिश्रा खुदौली गिरिजा शंकर यादव अनिल यादव मनीष यादव पवन यादव अमित सिंह विनीत सिंह ज्योति शाह एसपी सिंह करनल शंकर सिंह गौतम 96 यूपी बटालियन एनसीसी जौनपुर रहे शिविर में करीब 60 लोगों ने नामांकन कराया और 40 के करीब रक्तदान हुआ जिसमें 5 महिलाओं ने भी रक्तदान किया करनलमोनी के नेतृत्व में 5 यू पी 1 एनसीसी कैडेट के जवानों ने भी रक्तदान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया संस्था की तरफ से सभी रक्तदानियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया संचालन डॉक्टर अजय तिवारी ने किया अंत में संस्था प्रमुख डॉक्टर अंजू सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया संस्था की तरफ से रितिका सिंह तनु मंजू सिंह कंचन पुष्पा सरोज सुजीता मौर्य सहित काफी मात्रामें छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

साल भर की मेहनत का परिणाम प्रकार नन्हे मुन्नों खिल उठे चेहरे

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) साल भर की मेहनत व लगन का परिणाम जब नन्हे –मुन्ने बच्चों को उनके अभिभावकों के सामने रिजल्ट कार्ड पुरस्कार के रूप में मिला तो बच्चों के साथ उनके अभिभावकों के चेहरे भी खिल उठे।

शनिवार को मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल परिसर को गुब्बारों व फूलों से सजाया गया था । दिन था नन्हे मुन्ने बच्चों का परीक्षा परिणाम घोषित करने का ।जैसे ही प्ले ग्रुप ,एलकेजी ,यूकेजी के बच्चे क्रमशः सार्थक सिंह ,खुशबू सिंह, आहिल सिंह ,अयांश मौर्य ,काव्या, ईशांत सिंह ,को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय नायरा ,तेजस , शबा गाजी, अलनिशा, अभि सिंह, आयुषी शर्मा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय नैना देवी, नंदिनी देवल , नेहा ,कृतिका गुप्ता, महक, भूमिका सिंह को क्रमशः प्रथम , द्वितीय व तृत्तीय स्थान प्राप्त करने पर उनके हाथों में परीक्षाफल के रूप में रिजल्ट कार्ड व पुरस्कार दिया गया वहां मौजूद अभिभावकों की गड़गड़ाहट भरी तालियों से छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल उठे तथा उनके मुख से थैंक यू सर, थैंक्यू मैम के शब्द निकले । विद्यालय संस्थापक अखिलेश सिंह ने अभिभावको को संबोधित करते हुए कहा बच्चों के जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व है शिक्षित होने के साथ–साथ संस्कारवान भी होना चाहिए। उन्होंने मौजूद अभिभावकों से अपील करते हुए कहा बच्चों के सर्वांगीण विकास में भी सहयोग अवश्य प्रदान करें। विद्यालय प्रबंधक मुकेश सिंह ने कहा कि समय–समय पर होने वाली एक्टिविटीज बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास करने में सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजना सुनिश्चित करें। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य भूमिका सिंह , लक्ष्मी देवी के अलावा शिक्षिका कविता गुप्ता ,रचना प्रजापति ,अर्पित सिंह ,नीलम राठौर ,सोनम शुक्ला , मनसा बाजपेई ,प्रज्ञा तिवारी ,सोनी तिवारी ,आरती वर्मा, पूजा चंदेल ,पूजा चौहान ,अपर्णा श्रीवास्तव, रेखा रानी , स्वाति अवस्थीध व शिक्षक राम प्रकाश पांडे, देवेश प्रसाद सिंह, अशोक गुप्ता,संजय कुमार, संजय गुप्ता ,उदय शुक्ला ,अभिनव सिंह व शुभम सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

शतप्रतिशत उपस्थिति व एक्स्ट्रा एक्टिविटीज में आगे रहने वाले बच्चे किए गए सम्मानित

विद्यालय संस्थापक अखिलेश सिंह द्वारा ऐसे उन अभिभावकों को जिनके बच्चे पूरे वर्ष शत– प्रतिशत उपस्थित रहे तथा जिनके बच्चे एक्स्ट्रा एक्टिविटीज में अव्वल रहे उनको बधाई देते हुए बच्चों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया तथा मौजूद अभिभावकों से अपील की की सभी अभिभावक अपने बच्चों की शत–प्रतिशत उपस्थिति व एक्स्ट्रा एक्टिविटीज में सहयोग करें। शत – प्रतिशत उपस्थिति के लिए नित्या गुप्ता ,अथर्व गुप्ता ,अंश गुप्ता ,अंश व एक्स्ट्रा एक्टिविटीज में बढ़कर भाग लेने वाले बच्चे अनुराग गुप्ता ,अभय कुमार, मान्य गुप्ता , शानवी सभी बच्चों को सम्मानित किया गया।

एस एस डी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने खेली होली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस एसडी पब्लिक स्कूल अलीनगर सुनहरा, कृष्णा नगर लखनऊ मैं आज छोटे–छोटे बच्चों ने अपने शिक्षक और शिक्षिकाओं के साथ–साथ आपस में होली खेली स आज वार्षिक परीक्षा का अंतिम दिन था स परीक्षा समाप्त होने के बाद बच्चों को सभी शिक्षकों ने टीका लगा करके शुभकामनाएं दी स साथ ही होलिका दहन वह होली मिलन के बारे में विस्तार से बताया। प्रबंधक रामानंद सैनी ने सभी बच्चों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनसे स्वस्थ और मस्त रहने का आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर नर्सरी से लेकर के कक्षा 8 तक के बच्चों ने जमकर होली खेली स अंत में प्रबंधक रामानंद सैनी, डायरेक्टर प्रशांत सैनी, प्रधानाचार्य शिवांगी मिश्रा,इंचार्ज मधु अवस्थी समेत सभी शिक्षक और शिक्षिकाओं ने बच्चों को आशीर्वाद दिया तथा मिष्ठान वितरण करने के बाद कार्यक्रम का समापन किया।

आर0आर0 इंस्टिट्यूट ऑफ माडर्न पालिटेक्निक में डिप्लोमा बैच 2020–23 के पासआउट छात्र–छात्राओं के लिए दीक्षांत समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बी० के० टी० स्थित आर०आर० इंस्टिट्यूट ऑफ मॉडर्न पॉलिटेक्निक में डिप्लोमा बैच 2020–23 के पासआउट छात्रध छात्राओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि संस्थान के चेयरमैन अनिल कुमार अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संस्थान के सचिव चित्रांशु अग्रवाल, निदेशक प्रोफेसर सूर्य प्रकाश त्रिपाठी, प्राचार्य पॉलिटेक्निक दुर्गेश वर्मा, उप प्राचार्य पॉलिटेक्निक शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी, डीन छात्र कल्याण विकास सिंह, चीफ प्रॉक्टर विजय बहादुर सिंह तथा बी०टेक० प्रथम वर्ष कोआर्डिनेटर आशुतोष शुक्ला मौजूद रहे।

सम्मानित अतिथियों की उपस्थित में 163 डिप्लोमा के छात्रध छात्राओं को उपाधियाँ प्रदान की गईं। मेधावी विद्यार्थियों अपने–अपने विभागों में श्रेष्ठतम प्रदर्शन के लिये ट्रॉफी व सर्टिफिकेट प्रदान किये गये।

इसके अंतर्गत मुख्य अतिथि संस्थान के चेयरमैन ने कॉलेज टॉपर अमित कुमार (बैच 2020–23), ब्रांच मैकेनिकल इंजीनियरिंग (ऑटोमोबाइल) को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट प्रदान किया और अपने सन्देश में छात्रध्छात्राओं से कहा कि विकास के साथ आधुनिक भारत के निर्माण में भी अपनी भूमिका निभाए व शिक्षा के साथ सामाजिक दायित्व निभाना भी हमारा कर्तव्य है।

संस्थान के संयुक्त सचिव चित्रांशु अग्रवाल ने बताया कि संस्थान द्वारा डिप्लोमा बैच 2020–23 के पासआउट छात्रों में 92 प्रतिशत छात्रध्छात्राओं का कई कंपनियों में प्लेसमेंट कराया जा चुका है और अन्य छात्रध्छात्रा कॉलेज में उच्च शिक्षा के लिए बी०टेक० (लेटरल एंट्री) में एडमिशन ले चुके हैं।

इस अवसर पर संस्थान के उप प्राचार्य पॉलिटेक्निक शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने सम्मानित अतिथियों, संकाय सदस्यों व स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद किया एवं कॉलेज टॉपर तथा पासआउट सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

विवाहिता ने लगाई फांसी, पति के घर से बाहर निकलने के बाद उठाया कदम

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के मंडुवाडीह क्षेत्र के चांदपुर पंचायत भवन के पास शुक्रवार को एक विवाहिता ने अंदर से दरवाजा बंद कर फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। चांदपुर में श्यामदेव पटेल के मकान में मृतका के पति बृजेश पांडेय किराएदार हैं। वे अपनी पत्नी सोनी पांडेय के साथ रहते थे। शुक्रवार को सोनी (30) ने दरवाजा बंद कर अंदर साड़ी का फंदा बनाकर पंखे के सहारे झूल गई। घटना के वक्त बृजेश घर से बाहर था। वह पेशे से मजदूर है। मृतका को एक लड़की सिद्धि (5) एवं डेढ़ वर्षीय एक लड़का रुद्र है। मौके पर चौकी प्रभारी गौरव मिश्रा पहुंचे तथा फोरेंसिक टीम को सूचना दिया। मृतका सोनी पांडेय थाना पन्नूगंज राबर्ट्सगंज की रहने वाली थी।

दीनदयाल अस्पताल पहुंचे डीएम, ऑनलाइन रिपोर्ट की जानकारी ली

वाराणसी, संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में बृहस्पतिवार की दोपहर में जिलाधिकारी एस राजलिंगम के पहुंचते ही चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ अलर्ट हो गए। जिलाधिकारी सीधे पैथालॉजी गए और जांच कराने वाले लोगों को मोबाइल पर ऑनलाइन मिलने वाली रिपोर्ट की जानकारी सीएमएस से ली। सीएमएस डॉ. दिग्विजय सिंह ने जिलाधिकारी को बताया कि मरीजों को जांच कराने के दौरान पैथालॉजी में मोबाइल नंबर लिया जाता है। जांच के बाद रिपोर्ट को लैब इनफार्मेशन सिस्टम पर अपलोड कराया जाता है, जिससे कि संबंधित मरीज को मोबाइल पर रिपोर्ट मिल जाए। इस पर जिलाधिकारी ने अनिवार्य रूप से सभी मरीजों का मोबाइल नंबर लेकर उस पर समय से रिपोर्ट अपलोड करने को कहा। साथ ही शासन और प्रशासन को भी समय–समय पर इसकी जानकारी अपडेट करते रहने का निर्देश दिया।

स्टेट जीएसटी की टीम ने मारा छापा, लाखों का हिसाब मिला गड़बड़

वाराणसी, संवाददाता। स्टेट जीएसटी वाराणसी की टीम ने सैदपुर नगर पंचायत के तहसील स्थित पान, मसाला और जर्दा के थोक व्यापारी उत्तम चौरसिया की दुकान और तीन गोदामों पर बृहस्पतिवार की दोपहर छापा मारा। करीब पांच घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान लाखों रुपये के कर में गड़बड़ी का मामला सामने आया है, जिसपर टीम ने नोटिस दिया है। उत्तम चौरसिया पान, मसाला और जर्दा के थोक विक्रेता हैं। उनकी तहसील के सामने मुख्य दुकान है, जबकि स्टेशन रोड, पूरब बाजार स्थित आवास और मां काली रोड पर किराये के मकान लेकर गोदाम बनाए हुए हैं। बड़े और प्रति व्यापारियों में शामिल उत्तम चौधरी के इन सभी दुकान और गोदामों पर विशेष अनुसंधान वाराणसी की टीम ने दोपहर ढाई बजे छापा मारा। टीम करीब साढ़े सात बजे तक कार्रवाई में जुटी रही। इस दौरान दुकान से लेकर गोदाम तक रखें गए सामानों का स्टाक का मिलान किया।

इसके साथ विभिन्न आयकर की रसीदों को भी खंगाला। इसमें भारी मात्रा अनियमितता पाई गई। इसके लिए दुकानदार को नोटिस देकर जबाब देने का निर्देश दिया है। इधर टीम की सूचना मिलते ही अन्य व्यापारियों में खलबली मची। दुकानदार दुकान बंद कर फरार होने लगे। वहीं पूरे दिन अफरातफरी का माहौल बना रहा। व्यापारी के अधिवक्ता बसंत सेठ ने टीम से बातचीत कर कागजात दिखाया, उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने जांच के बाद नोटिस दी है, जिसका जवाब दिया जाएगा।

फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर नियुक्त होने के आरोपी टीचर की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर नियुक्त सहायक अध्यापक के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। याची अनिल कुमार सिंह बतौर सहायक अध्यापक प्राथमिकी विद्यालय कूड़ी बाजार जिला गोरखपुर में वर्ष 2010 में नियुक्त हुआ था। बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखपुर द्वारा याची समेत 37 सहायक अध्यापकों के विरूद्ध उक्त प्राथमिकी मार्च 2020 में थाना राजघाट गोरखपुर में अन्तर्गत धारा 417, 419, 420, 423, 467, 468, 471 भारतीय दण्ड संहिता दर्ज करायी गयी थी, जिसकी विवेचना आज तक प्रचलित है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की खण्डपीठ ने याची अध्यापक की याचिका पर पारित किया है। हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए सम्बन्धित पुलिस अधिकारी को निर्देश दिया है कि विवेचना में इन तथ्यों को भी शामिल किया जाए कि याची की नियुक्ति के समय कौन कौन से जिम्मेदार अधिकारी तैनात थे और उन्होने शैक्षिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन को लेकर क्या प्रयत्न किया था। कोर्ट ने सारे तथ्यों के साथ विभागीय अधिकारियों से जवाब तलब किया है। अदालत ने याचिका पर 24 सितंबर 2024 की तारीख नियत करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने का कहा है। कोर्ट का कहना है कि इस प्रकार की नियुक्ति विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। याची के अधिवक्ता अरविन्द कुमार त्रिपाठी का कहना है कि बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विधिक प्रक्रिया का अनुपालन किए बगैर याची समेत 37 सहायक अध्यापकों को गोरखपुर में बर्खास्त कर दिया गया।

जिलाधिकारी ने सभी कर्मचारियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के दिये निर्देश

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में पुलिस लाइन में होली के अवसर पर निकलने वाले छोटे–बड़े लाट साहब के जुलूस में तैनात मजिस्ट्रेट एवं पुलिस कार्मिकों को ड्यूटी के सम्बन्धा में ब्रीफिंग की गयी। इस दौरान जोनल सेक्टर अधिकारी, समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं आरएएफ व समस्त थाना प्रभारियों ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी ने समस्त कार्मिकों को निर्देशित करते हुये कहा कि जुलूस में लगे सभी कर्मचारी अपने तैनाती स्थल पर पहुंच कर समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि कार्मिक अपनी ड्यूटी स्थल के आस पास बैरीकेडिंग, सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य व्यवस्थाओं की गहनतापूर्ण जांच कर लें तथा अपने क्षेत्र के एसपीओ तथा संभ्रांत नागरिकों से समन्वय बना कर रखें। साथ ही उन्होंने कहा कि जुलूस में लगे सभी कर्मचारी अपनी सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखे, वॉडी प्रोटेक्टर सहित हेलमेट इत्यादि का अवश्य प्रयोग करें।उन्होंने कहा कि जुलूस निकालने के बाद भी अपने ड्यूटी पॉइंट पर तैनात रहे। निर्देश प्राप्त होने पर ही ड्यूटी पॉइंट को छोड़ें।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने सभी अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों तथा आरएफ के जवानो को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक ने सभी तैनात कर्मचारियों को संवेदनशील बिंदुओं के विषय में जानकारी दी तथा निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों में धैर्य के साथ ड्यूटी करें। उन्होंने जुलूस में लगे सभी कर्मचारियों को अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंच कर ड्यूटी स्थल देखने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में कर्मचारी बिना परमिशन के अपनी तैनाती स्थल को नहीं छोड़ेगे। जुलूस के दौरान प्रत्येक दशा में सभी कर्मचारी अपने ड्यूटी स्थल पर निर्धारित समय तक तैनात रहेगे। इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 सुरेश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, जोनल सेक्टर अधिकारी, समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं आरएफ व पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे।

05 दिवसीय सुरक्षा एवं संरक्षा प्रशिक्षण का हुआ समापन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में जिला आज स्तरीय बेसिक शिक्षा परिषद के समस्त शिक्षकों का पाँच दिवसीय सुरक्षा एवं संरक्षा प्रशिक्षण का आज समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रदत्त मॉड्यूल पर आधारित विषयों सुरक्षा एवं सुरक्षा के लर्निंग आउटकम से जुड़ाव, सुरक्षा एवं संरक्षण से अभिप्राय एवं आयाम, विद्यालय स्तर पर सुरक्षित वातावरण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, आपदा एवं आपदा प्रबंधन, सड़क सुरक्षा एवं यातायात, शारीरिक दंड बाल अधिकार साइबर सुरक्षा संबंधी मुद्दे कानूनी प्रावधान एवं नीतियों शिकायत निवारण तंत्र विभिन्न स्तरों पर हित धारक उनकी जिम्मेदारियां एवं उनकी अपेक्षाएं सुरक्षा किट एवं आकस्मिक चिकित्सा बाल सुरक्षा एवं सुरक्षा समिति और सुरक्षा योजना निर्माण के चरण आदि महत्वपूर्ण विषयों पर पीपीटी वीडियो और गतिविधियों आज के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित विशेषज्ञों द्वारा विषय पर प्रति प्रतिभागियों को जानकारी दी गई जिसमें थाना यातायात पुलिस से सुशील कुमार सिंह, अनिल कुमार, अग्निशमन निरीक्षक सुशील कुमार सिंह, साइबर अपराध उप निरीक्षक वालेंद्र कुमार मिश्रा आदि उपस्थित रहे। नोडल प्रवक्ता युवराज सिंह ने सुरक्षा एवं सुरक्षा के सभी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक इसे अपने अपने विद्यालयों और सामाजिक परिवेश में अमल में लाएं। प्रशिक्षण प्रभारी प्रवक्ता चतुर्भुज नारायण चौहान ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण के उद्देश्य और महत्व और उपयोगिता आदि पर शानदार प्रकाश डाला। इसी तरह प्रवक्ता शिखा चौहान ने अपने संबोधन में यौन उत्पीड़न एवं बाल श्रम जैसे अपराधों की रोकथाम करने के लिए उपाय सुझाये साथ ही उन्होंने इस प्रशिक्षण को मौजूदा माहौल में एक अद्भुत आवश्यक और दैनिक जीवन में विशेष कर बच्चों के लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण बताया। डायट प्राचार्य के द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया इस प्रशिक्षण के दौरान सहयोगी के रूप में प्रवक्ता सौरभ सिंह एवं संदर्भ दाता अशोक सिंह, आशीष शुक्ल एवं कुशाग्र शुक्ला एवं अतुल कुमार सहित सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे।

हलियापुर पुलिस ने फ्लैग मार्च कर दिलाया सुरक्षा का भरोसा'

सुल्तानपुर। हलियापुर थाना पुलिस ने पैरामिलिट्री फोर्स के साथ फ्लैग मार्च कर लोगों को लोकसभा चुनाव और त्योहार को लेकर शांति व्यवस्था और सुरक्षा का अहसास कराया।हलियापुर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह की अगुआई में केंद्रीय पुलिस बल और स्थानीय पुलिस बल की टीम ने थाना क्षेत्र के हलियापुर,काकरकोला,फत्तेपुर, उसकामऊ,तौद्धिकपुर,तिरहुत आदि बाजारों और बीच के गांवों में मार्च किया। मुख्य सड़क,बाजार और भीड़भाड़ वाली जगहों पर संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की जांच भी की गई। गश्त की अगुआई कर रहे थानाध्यक्ष हलियापुर प्रदीप कुमार सिंह ने आम जनता,व्यापारियों और दुकानदारों से बातचीत कर माहौल को जानने,समझने और सुरक्षा का भाव पैदा करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन लोकसभा चुनाव और आगामी त्योहारों पर शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए गंभीर है। इस दौरान यदि कोई भी शरारती या अराजक तत्व आते हैं तो उनके खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी।इस मौके पर उपनिरीक्षक नरेन्द्र बहादुर सिंह,उप निरीक्षक रामजी,कांस्टेबल मनीष,कांस्टेबल अनूप कुमार,हेड कांस्टेबल कुणाल,महिला कांस्टेबल रुचि आदि शामिल रहे।

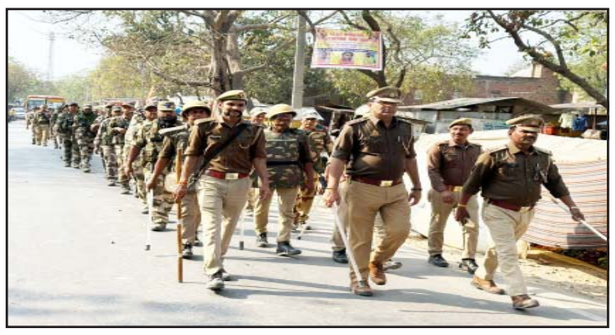

स्वतंत्र गर्ल्स डिग्री कालेज द्वारा होली मिलन समारोह

मृत्युंजय प्रताप सिंह

होली के पावन पर्व के मौके पर आज स्नेहनगर, आलमबाग लखनऊ स्थित स्वतंत्र गर्ल्स डिग्री कालेज के प्रांगण में उ0प्र0 युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कार्यकारी अंकित तिवारी जी द्वारा ''होली मिलन समारोह'' का आयोजन किया गया। होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी श्री अजय राय जी पूर्व मंत्री नकुल दुबे जी प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष श्री शिव पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं प्रभारी प्रशासन श्री दिनेश कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी जी, पार्षद मुकेश सिंह चौहान जी, अमित श्रीवास्तव त्यागी जी, विक्रम पाण्डेय जी, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव जी, कैप्टेन बंशी धार मिश्रा जी, आशुतोष मिश्रा जी सहित भारी संख्या में स्थानीय साभ्रान्तजन मौजूद रहे। इस मौके पर उपस्थित सभी लोगों को गुलाल लगाकर स्वागत किया गया एवं गुझियां, मिठाइयों का आनन्द लेकर लोगों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। होली मिलन के मौके पर युवा कांग्रेस के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अंकित तिवारी ने कहा कि होली का त्योहार हम सभी को आपस में प्रेम, सौहार्द की प्रेरणा देता है। इस त्योहार में समाज के सभी लोग आपसी मनमुटाव को दूर कर गले मिलते हैं और सभी के गिले शिकवे दूर हो जाते हैं। युवा कांग्रेस के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अंकित तिवारी ने होली के पावन पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सुख, समृद्धि एवं उन्नति की कामना की है।

साान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।